

नये नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 5: अनुवाद

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा

यह डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम में व्याख्यान संख्या 5 है। प्रेरणा, संचरण, प्रामाणिकता और अनुवाद अनुक्रम को समाप्त करते हुए।

ए. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की समीक्षा [00:00-2:44]

ए. संयुक्त एसी; 00:00-8:55; प्रेरणा-संचरण

आपका फिर से स्वागत है, यह नए नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र है और हम अभी भी नए नियम की पृष्ठभूमि पर काम कर रहे हैं। हमने मेदो-फ़ारसी साम्राज्य और साइरस की पृष्ठभूमि से शुरुआत की थी, जिन्हें मसीहा, अभिषिक्त व्यक्ति कहा जाता था। डेरियस आयोजक और दूसरे मंदिर के निर्माता ज़ेरेक्स और अर्तक्षत्र और फिर सिकंदर तक। हमने देखा कि सिकंदर ने दुनिया पर कब्ज़ा कर लिया, दुनिया को ग्रीक बना दिया और हेलेनिज़्म का प्रसार किया। तीस के दशक की शुरुआत में सिकंदर की मृत्यु के बाद, साम्राज्य चार भागों में टूट गया और हमने देखा कि कैसे टॉलेमी ने लगभग 300-200 ईसा पूर्व से मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया। टॉलेमी सहिष्णु थे और उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि सेप्टुआजेंट थी, जो पुराने नियम की हिब्रू बाइबिल का ग्रीक में अनुवाद था। इसने दुनिया भर के लोगों को पुराने नियम से मसीहा के बारे में पढ़ने की अनुमति दी। फिर सेल्यूसिड्स सीरिया से नीचे आए और यहूदियों पर हावी होने की कोशिश की और एंटीओकस एपिफेन्स जो कि एंटीक्रिस्ट फिगर का अग्रदूत था, मैकाबीज़ के खिलाफ़ लड़े। पाँच मैकाबीज़ लड़कों और उनके पिता मैथियस ने सीरियाई और सेल्यूसिड्स के खिलाफ़ विद्रोह किया और यह मूल रूप से 165 ईसा पूर्व के आसपास मैकाबीज़ विद्रोह है। फिर पाँचों लड़के मर जाते हैं, सिवाय साइमन के जो तब उच्च पुजारी बन जाता है। यह उसके वंश से ही हैसमोनियन वंश जॉन हिरकेनस, अलेक्जेंडर जानियस, सलोमी अलेक्जेंडर और फिर दो लड़कों के बीच लड़ाई तक जाता है। और फिर लगभग 63 ईसा पूर्व में रोमनों ने पोम्पी के नेतृत्व में कदम रखा और सत्ता संभाली। एंटीपेटर,

जो एडोमाइट वंश का एक इदुमीयन था, अपने बेटे हेरोदेस के लिए एक नाटक बनाता है और हेरोदेस महान लगभग 37 ईसा पूर्व में सत्ता संभालता है। हेरोदेस महान निर्माता बनने जा रहा है और मसादा और यरूशलेम का निर्माण करता है, मंदिर का पुनर्निर्माण करता है। वह एक छोटा मंदिर लेता है और कई वर्षों में इसे शानदार बनाता है। जब यीशु का जन्म होता है तो हेरोदेस महान राजा होता है। हमने उसके बाद आने वाले अन्य हेरोदेस के बारे में थोड़ी बात की जैसे हेरोदेस एंटीपस और विभिन्न हेरोदेस और जॉन बैपटिस्ट की मृत्यु।

बी. प्रेरणा, संत घोषणा और संचरण [2:44-5:23]

उसके बाद हमने विहित अध्ययन के बारे में बात की। हमने यहाँ दावा किया कि बाइबल ईश्वर का वचन है। इसलिए हमने प्रेरणा के बारे में बात की, ईश्वर ने पैगंबर या प्रेरित से बात की और प्रेरित ने इसे लिखा। यही प्रेरणा की प्रक्रिया है। और प्रेरणा की प्रक्रिया के बाद हमने विहितीकरण के बारे में बात की और कैसे पुस्तकों का प्रसार हुआ और फिर बिखराव हुआ। पॉल ने इफिसुस को लिखा, पॉल ने कुरिन्थ को लिखा, और पॉल ने रोम को लिखा और विभिन्न सुसमाचारों की पुस्तकें विभिन्न समुदायों को लिखी गईं। फिर उन पुस्तकों को पूरे भूमध्य सागर में फैला दिया गया। उन्हें एकत्र किया जाना था। संचलन की समस्या थी और फिर एक बार जब आपके पास संचलन की समस्या थी तो आपको यह भी सत्यापित करना था कि ये पुस्तकें वास्तव में पॉल की थीं और ये पुस्तकें वास्तव में ईश्वर और प्रेरितों का वचन थीं। उन्हें विभिन्न चर्चों द्वारा अनुमोदित किए जाने की आवश्यकता थी। विभिन्न प्रभाव थे, हमने देखा कि चर्च ने पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा करने के लिए क्या कारण बताए। हमारे पास मौजूद 27 पुस्तकों को इकट्ठा करने और अनुमोदित करने में लगभग 300-400 साल लग गए। पुस्तकें तुरंत आधिकारिक थीं। और हमने कहा कि पतरस ने पॉल का हवाला दिया और कहा कि पॉल के पत्र शास्त्र के समान स्तर पर हैं। इसलिए 2 पतरस 3:15 में पीटर ने एक बहुत ही मजबूत कथन दिया है। पत्र तुरंत आधिकारिक थे लेकिन उन्हें चर्च द्वारा एकत्र और अनुमोदित किया जाना था। इसलिए प्रेरणा, विहितकरण के बाद हमारे पास संचरण की प्रक्रिया होती है, जो तब होती है जब शास्त्री उन्हें बार-बार कॉपी करते हैं। चर्च गरीब था, चर्च को सताया गया था, चर्च के शास्त्री सर्वश्रेष्ठ नहीं थे, लेकिन उन्होंने उस संदर्भ को देखते हुए सर्वश्रेष्ठ किया जो वे

कर सकते थे। इसलिए हमने लिपि संबंधी समस्याओं और 5000 पांडुलिपियों को देखा, जिसमें 1800-20 वीं शताब्दी की शुरुआत में आखिरी बार पाए गए पपीरी और फिर अन्सियल टेक्स्ट, जो कि काफी हद तक सिनाईटिकस टेक्स्ट हैं, और अन्सियल, कैपिटल लेटर पांडुलिपियाँ और फिर माइनसक्यूल टेक्स्ट, जो कि बीजान्टिन टेक्स्ट हैं जो किंग जेम्स संस्करण का आधार थे। इसे बहुसंख्यक पाठ कहा जाता है क्योंकि 700-800 ई. के बाद की बहुत सारी पांडुलिपियाँ हैं, इसलिए सभी पांडुलिपियाँ एकत्र की जाती हैं और फिर हम इन पांडुलिपियों के बीच विभिन्न प्रकार के लिपिगत मतभेदों का विश्लेषण करते हैं। इसके जैसी कोई दूसरी किताब नहीं है; हमारे पास बहुत बड़ी संख्या में प्रारंभिक पांडुलिपियाँ हैं। हमने कहा कि पपीरस 52 [P52] प्रेरित यूहन्ना के 30 साल के भीतर का है। यह मिस्र में पाया गया था, इसलिए यह उन 30 वर्षों में भूमध्य सागर को पार कर गया होगा। हमारे पास जो कुछ है वह अविश्वसनीय है।

सी. ट्रांसमिशन - वेरिएंट के मूल्यांकन के नियम [5:23-8:55]

आज , मैं बस समाप्त करना चाहता हूँ, हमारे पास हमारा अंतिम चरण है। प्रेरणा, जो मनुष्य के लिए ईश्वर है; विहितीकरण, जो पुस्तकें आधिकारिक और संग्रहित हैं; संचरण, जो सैकड़ों वर्षों से लेखकों द्वारा उनकी नकल की जाती है। सबसे पहले लेखकों के साथ समाप्त करते हैं। तो आप मूल्यांकन के लिए किन नियमों का उपयोग करते हैं? जब आपके पास दो पांडुलिपियाँ हों और दोनों पांडुलिपियों के अलग-अलग पाठ हों तो आप उनका मूल्यांकन कैसे करेंगे? ये कठोर और तेज़ नियम नहीं हैं, ये पूर्ण नियम हैं लेकिन ये सामान्य बातें हैं। इसलिए आप इन्हें सुसमाचार के रूप में उपयोग नहीं कर सकते। मोटे तौर पर हमने कहा कि हमारा पहला नियम यह है कि अधिक कठिन पाठ को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। लेखकों में चीजों को समझने में आसान बनाने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए यदि कोई चीज़ खुरदरी हो तो लेखक उसे सरल बना देते हैं और इसलिए मूल पाठ संभवतः अधिक कठिन या कठिन होता है। लेखक इसे आसान से कठिन में बदल देता है। लेकिन एक लेखक इसे कठिन से आसान में बदल देता है। इसलिए कठिन पाठ को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आप पांडुलिपियों के बीच अंतर का मूल्यांकन कैसे करते हैं, इसकी दूसरी श्रेणी यह है कि छोटे पाठ को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमारे पास प्रेरितों के काम में कुछ अभिलेख हैं जो कहते हैं

"प्रभु की कलीसिया।" अन्य कहते हैं, "ईश्वर की कलीसिया।" 150 साल बाद हमारे पास "प्रभु ईश्वर की कलीसिया" है। आप देख सकते हैं कि यहाँ क्या हुआ कि वे पांडुलिपि से चीजों को हटाना नहीं चाहते थे, इसलिए उन्होंने दोनों को जोड़ दिया। जब उनके पास दो अलग-अलग पाठ होते थे, तो वे उन्हें इस संयोजन में जोड़ देते थे। इसलिए "प्रभु की कलीसिया" और "ईश्वर की कलीसिया" 100 साल बाद "प्रभु ईश्वर की कलीसिया" बन जाती है। इसलिए पाठ में बढ़ने की प्रवृत्ति थी।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का शीर्षक, आइए इसका पता लगाते हैं, "यूहन्ना के सर्वनाश" से यूहन्ना के इस विशाल, लंबे जीवनी विवरण तक जाता है। इसलिए पहले के पाठ की तरह छोटे पाठ को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पाठ में बढ़ने की प्रवृत्ति थी, इसलिए छोटे पाठ को प्राथमिकता दी गई।

तीसरा सिद्धांत यह है कि लेखक की शैली के अनुसार पढ़ना और उस लेखक से मेल खाना बेहतर है। अगर मैं अपने ग्रीक छात्रों से कहूँ कि "alnlwn" शब्द का अर्थ है "एक दूसरे" तो आप किस लेखक के बारे में सोचेंगे? एक लेखक है जो इस शब्द का बहुत उपयोग करता है। इसलिए अगर आप "एक दूसरे" को देखते हैं तो आपको लगता है कि यह जॉन है। लेखन की शैली लेखक पर निर्भर करती है। ल्यूक की शैली मैथ्यू से बहुत अलग होगी और मार्क की शैली से बहुत अलग और जॉन की शैली से बहुत अलग होगी। "मैं तुमसे सच कहता हूँ" जॉन की तरह लगता है और जॉन इसी तरह लिखता है। तो, मूल रूप से, कुछ लेखकों की कुछ शैलियाँ होती हैं और कुछ शैलियाँ कुछ लेखकों के साथ फिट बैठती हैं।

यहाँ चौथा जोड़ने के लिए, वह जो सबसे अच्छे परिवारों से आता है। याद कीजिए कि हमने पांडुलिपि परिवारों के बारे में कैसे बात की थी, आपके पास माता-पिता का रिश्ता था और इसलिए आपके पास कुछ पश्चिमी और सीज़ेरियन हैं। वे पांडुलिपियाँ जो सबसे अच्छे परिवारों के लिए उपयुक्त हैं, उन्हें कमज़ोर परिवारों [बीजान्टिन] पर वरीयता दी जाती है। तो ये सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियों को खोजने के विभिन्न तरीके हैं।

D. नए नियम में प्रमुख पाठ्य भिन्नताएँ: मरकुस 16, यूहन्ना 8, 1 यूहन्ना 5:7 [8:55-13:48]

बी: संयुक्त डी.एफ.; 8:55-23:48; मरकुस 16; यूहन्ना 8

नये नियम में तीन बड़ी समस्याएँ हैं और ये समस्याएँ पाठ में हैं। पहला पाठ है मार्क 16:8 । मार्क की पुस्तक के अंत में - और आप में से कई लोगों के पास नया नियम है, आपके लिए मार्क की पुस्तक के अंतिम अध्याय को देखने के लिए अपनी बाइबल खोलना दिलचस्प होगा। मूल रूप से दो या तीन अलग-अलग अंत हैं। एक छोटा है जो 16:8 पर समाप्त होता है। एक मध्यवर्ती अंत है जो कुछ छंद लंबा है और एक लंबा अंत है जो आप में से अधिकांश के NIV या NRSV में है। मार्क 16:8 में, छंद 8 के बाद हमारी सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियाँ वहाँ समाप्त होती हैं। समस्या यह है कि जब आप मार्क 16:8 पढ़ते हैं तो यह मार्क की पुस्तक को इन महिलाओं के साथ समाप्त करता है जो पुस्तक के अंत में काँप रही हैं और फिर अचानक--पुस्तक समाप्त हो जाती है। आप सोचते हैं, "यह किस तरह का सुसमाचार है?" इसलिए ऐसा माना जाता है कि यह अंत बहुत अचानक हुआ था और, ऐसा माना जाता था कि प्रारंभिक चर्च में, किसी तरह मसीह के पुनरुत्थान और महिमा और साँपों को उठाना और संभालना और जिन चीज़ों के बारे में बात की जाती है, उन्हें बाद में जोड़ा गया था। इसलिए आप देखेंगे कि आपके NIV में एक रेखा खींची गई होगी और वे आपको स्पष्ट रूप से बताएंगे कि कुछ बेहतरीन पांडुलिपियों में मार्क 16:9 और उसके बाद का भाग नहीं है। इसलिए उन्होंने इसे वहाँ रखा, वे आपको बताते हैं कि यह क्या था, लेकिन वे आपको चेतावनी भी देते हैं। वे जो कह रहे हैं वह यह है: इन आयतों पर कोई प्रमुख सिद्धांत या कुछ भी नया आधार न बनाएँ क्योंकि हम उनके बारे में निश्चित नहीं हैं, हो सकता है कि उन्हें बाद में जोड़ा गया हो। सामान्य नियम यह है कि कभी भी किसी सिद्धांत को पाठ्य भिन्नता पर आधारित न करें। पर्याप्त बाइबलें हैं जो मसीह के ईश्वरत्व और शास्त्र की प्रेरणा, मनुष्य की पापमयता, परमेश्वर की महानता और महिमा के बारे में सभी सहमत हैं। इसलिए यदि किसी चीज़ का पाठ्य भिन्नता है तो हमें अपने सिद्धांत के निर्माण में उसका उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। तो यह मार्क 16 है। यदि आपके पास किंग जेम्स संस्करण या NKJV है तो यह मार्क 16:8 से लेकर पद 20 तक की तरह ही पढ़ा जाएगा और कोई विभाजन नहीं होगा। लंबा अंत मिनिस्व्यूल्स से आता है, बाद की पांडुलिपियाँ जिन्हें KJV ने 1611 ई. में इस्तेमाल किया था किंग जेम्स अनुवादकों ने मार्क के लंबे अंत के साथ अनुवाद किया। उनके पास कुछ बेहतरीन पांडुलिपियाँ नहीं थीं, उन्हें पपीरी के बारे में भी नहीं पता था। उन्हें कोई सुराग नहीं था। प्रकाशन के बाद अगले 250 वर्षों तक यह नहीं मिलेगा। इसलिए वे यह नहीं

जान सकते थे। वे बहुमत पाठ से दूर चले गए, वह छोटा पाठ जिसने गुणा किया कि उन्हें कुछ समस्याएँ थीं। इसलिए किंग जेम्स संस्करण सीधे चलेगा, लेकिन अन्य नए संस्करण आपको बताएंगे कि वहाँ एक पाठ्य समस्या है, बस आपके साथ ईमानदारी से जो हम जानते हैं उसके साथ। तो यह मार्क 16:8 है और इसलिए सावधान रहें। यह एक ऐसा मार्ग है जो साँपों को संभालने के बारे में बात करता है, कि अगर वे आपको काटते हैं तो आपको कुछ नहीं होगा, साँपों को संभालने वाले चर्चों से सावधान रहें क्योंकि वे अपने पूरे चर्च को इसी प्रकार के आधार पर बना रहे हैं। नुकीले साँपों से दूर रहें, इसलिए सावधान रहें। इस पर सिद्धांतों को आधारित न करें।

ई. नये नियम में पाठगत भिन्नताएँ: यूहन्ना 8 [13:48-18:25]

ठीक है, यह मार्क 16:8 है। यहाँ एक और है। यह यूहन्ना 8 में है। यूहन्ना 8, यूहन्ना 8 के पहले 10 या 11 छंद। यूहन्ना 8 यीशु का फरीसियों से सामना होने की कहानी है, जहाँ वे एक महिला को यीशु के सामने लाते हैं और कहते हैं, "यह महिला व्यभिचार में पकड़ी गई थी। अब कानून के अनुसार हमें क्या करना चाहिए? कानून कहता है कि हमें उसे पत्थर मारना चाहिए। हमें क्या करना चाहिए? फरीसी यीशु को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। वे हमेशा ऐसा करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्हें लगता है कि हम किसी भी तरह से उसे पकड़ लेंगे। अगर वह कहता है, "उसे जाने दो" तो वह यहूदी कानून का उल्लंघन कर रहा है। अगर वह उसे पत्थर मारता है, तो वह रोमन कानून का उल्लंघन कर रहा है। मूल रूप से महिला को मौत की सजा नहीं दी जा सकती थी, क्योंकि यहूदियों को रोमन कानून के तहत लोगों को मौत की सजा देने की अनुमति नहीं थी। यहाँ तक कि सैन्हेड्रिन ने भी गिरफ्तार किया और मुकदमा चलाया लेकिन वे मृत्युदंड नहीं दे सकते थे। इसलिए उन्होंने यीशु को जाल में फँसा दिया। वह क्या करता है? यीशु झुकता है - और वे यीशु के पास आते हैं और महिला वहाँ होती है और यीशु ज़मीन पर लिखते हैं। वह ऊपर देखता है और कहता है, "जो कोई भी परिपूर्ण है, उसे मरने दो पहला पत्थर।" फिर वह जमीन पर लिखने के लिए वापस जाता है और हर कोई जानता है कि उसने जमीन पर क्या लिखा है। हर कोई सोचता है कि यीशु जमीन पर क्या लिख रहा है, लेकिन बाइबल हमें नहीं बताती। इसलिए हमें पीछे हटना होगा और जमीन पर उसने जो लिखा है उसके बारे में इन सभी बेतुके अनुमानों को रोकना होगा। जमीन

पर लिखा हुआ मुद्दा नहीं है, ध्यान यीशु और महिला पर है। यह कहता है कि पुराने फरीसी पहले चले गए और ऐसा क्यों हुआ? क्या इसलिए कि वृद्ध लोगों में अधिक पाप होते हैं? मैं इस बारे में बहुत निश्चित नहीं हूँ। वृद्ध लोग शायद अपने जीवन में समस्याओं के बारे में अधिक जागरूक थे। अंत में, यीशु महिला के साथ अकेले हैं। वह उठता है और कहता है, "तुम्हारे आरोप लगाने वाले कहाँ हैं?" वे चले गए हैं। वह कहता है, "मैं भी तुम्हें दोषी नहीं ठहराता।" मान लीजिए कि आप शास्त्र की नकल करने वाले एक भिक्षु हैं। अचानक आपके पास एक व्यभिचारी महिला है और आप एक भिक्षु हैं। आपने गरीबी और शुद्धता की शपथ ली है और आप महिलाओं के साथ ऐसा नहीं करते हैं। यीशु के पास यह व्यभिचारी महिला है और आप यह कहना चाहते हैं कि क्या महिला ने जो किया वह गलत था। लेकिन यीशु ने कहा, "मैं भी तुम्हें दोषी नहीं ठहराता। जाओ और फिर से पाप मत करो।" यीशु ने उसे जाने दिया। क्या आप समझ सकते हैं कि भिक्षुओं को इस पाठ की नकल करने में समस्या क्यों होगी? इसलिए मैंने इसे फ़्लोटिंग टेक्स्ट कहा है। यह जॉन 8 में है, वहाँ पहले दस या ग्यारह छंद हैं, लेकिन वही मार्ग ल्यूक 21 में कुछ पांडुलिपियों में पाया जाता है, महिला के साथ बातचीत के साथ वही स्थिति और पैराग्राफ। यीशु की यह कहानी इधर-उधर घूमने की प्रवृत्ति रखती थी और मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि यह एक वैध कहानी है। यह हमारी सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियों में नहीं है। किंग जेम्स में यह बिना किसी समस्या के है, लेकिन यदि आप NIV, NRSV, ESV, NASB, या NLT में देखें तो वे सभी आपको चेतावनी देंगे कि यह कहानी सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियों में नहीं है। तो यह आपको वहाँ केवल चेतावनी देता है। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि क्या यह पढ़ना वास्तव में कठिन है? यीशु कह रहे हैं, "जाओ और फिर से पाप मत करो।" मैं देख सकता हूँ कि शास्त्री इसे कैसे छोड़ना चाहेंगे, खासकर यदि वे भिक्षु प्रकार के हैं। मैं किसी लेखक को यह कहानी लिखते हुए नहीं देख सकता। मैं किसी लेखक को इसे छोड़ते हुए देख सकता हूँ। और, इसलिए, इसे छोड़ना पढ़ना कठिन है। मेरा सुझाव है कि यह वैध कहानी है क्योंकि यह चारों ओर घूम रही है और वास्तविक लगती है और यीशु से जुड़ी एक वैध परंपरा है।

एफ. नए नियम में पाठगत भिन्नताएँ: 1 यूहन्ना 5:7 [18:25-23:48]

नए नियम में तीन बड़ी समस्याएँ हैं। मार्क 16, यूहन्ना 8, और फिर आखिरी बड़ी समस्या है 1 यूहन्ना 5:7। 1 यूहन्ना 5:7 में यदि आपके पास किंग जेम्स संस्करण है, तो यह बीजान्टिन/बहुमत पाठ पर आधारित है, यह कुछ इस तरह से पढ़ेगा: "ये तीन एक हैं, पिता, वचन (लोगो), और पवित्र आत्मा।" यूहन्ना 1:1 में लोगोस का अर्थ है यीशु "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, वचन परमेश्वर था।" आपके पास पिता और वचन है, जो यीशु है (वचन क्योंकि देहधारी था; देहधारी हुआ, तम्बू बना, हमारे बीच तम्बू बनाया)। तो हमारे पास पिता, वचन और आत्मा हैं: ये तीनों एक हैं। वह श्लोक, 1 यूहन्ना 5:7: पिता, वचन और पवित्र आत्मा, पूरे बाइबल में किसी भी अन्य श्लोक की तुलना में त्रिएकत्व के सिद्धांत को अधिक स्पष्ट रूप से सिखाता है। बाइबल में कोई अन्य श्लोक नहीं है जो इसे इतनी सरलता से बताता हो। ये तीनों एक हैं; कोई अन्य श्लोक ऐसा नहीं है जो इसके करीब आता हो। प्रारंभिक चर्च त्रित्ववादी संघर्षों में बहस कर रहा था। हमारे पास चर्च है जो इसे समझने की कोशिश कर रहा है। एक में तीन व्यक्तियों का क्या संबंध है? यह उनके सार और उनके श्रम विभाजन में एक दूसरे से कैसे संबंधित है? यह कैसे काम करता है? इसलिए उनके पास बड़ी बहसें हैं। हमारे पास बहसों के रिकॉर्ड हैं। चर्च के पिताओं के सैकड़ों-सैकड़ों पृष्ठ पूरे बाइबल से ग्रंथों का उपयोग करके आगे-पीछे बहस करते हैं। त्रित्व के सिद्धांत को साबित करने के लिए हजारों ग्रंथों का उपयोग किया गया था। चर्च के पिताओं द्वारा इस श्लोक का एक बार भी उल्लेख नहीं किया गया है। यदि यह त्रित्व पर सबसे उत्कृष्ट श्लोक है: "पिता, शब्द और आत्मा और ये तीनों एक हैं," और इसे कभी उद्धृत नहीं किया गया है, तो कुछ आपको बताता है कि यहाँ कुछ गड़बड़ है जब इसे उस तर्क में कभी उद्धृत नहीं किया गया है। जब आप बीजान्टिन पांडुलिपियों से पहले वापस जाते हैं, 700-800 ईस्वी की छोटी पांडुलिपियाँ, तो यह वहाँ नहीं है। यह वास्तव में 16^{वीं} शताब्दी में दिखाई देता है, जो बहुत देर हो चुकी है।

यह कहाँ से आया? सुझाव यह है कि इरास्मस नाम का एक आदमी था। मैं उसे इरास्मस द रास्कल कहता हूँ। वह 16^{वीं} शताब्दी में एक असाधारण विद्वान था। हुआ यह था कि वह एक ग्रीक न्यू टेस्टामेंट तैयार कर रहा था। इसे तैयार करते समय, अफ़वाह है कि एक शर्त थी कि उसे ट्रिनिटी पर यह श्लोक नहीं मिल पाया, इसलिए लोगों को लगता है कि इरास्मस ने लैटिन पाठ लिया और लैटिन पाठ से ग्रीक में अनुवाद करके इसे इरास्मस ग्रीक न्यू टेस्टामेंट में डाल दिया। इरास्मस ग्रीक

न्यू टेस्टामेंट किंग जेम्स न्यू टेस्टामेंट का आधार था। ऐसा माना जाता था कि यह श्लोक 16वीं शताब्दी में जोड़ा गया था। इसलिए आपकी कई बाइबलों में यह श्लोक नहीं होगा। वे आपको ज्यादा सूचना भी नहीं देंगे, क्योंकि यह किसी भी शुरुआती पांडुलिपि में नहीं है। यह इरास्मस के आसपास के समय तक कहीं नहीं था, इसलिए इसे हटा दिया गया। क्या इसका मतलब यह है कि अब ट्रिनिटी का सिद्धांत हवा में है क्योंकि हमने ट्रिनिटी सिखाने वाला यह श्लोक खो दिया है? नहीं! जब आरंभिक चर्च के पिताओं ने इन सभी अन्य आयतों के आधार पर तर्क दिया, तो उनके पास यह आयत नहीं थी। इसलिए यह आयत आपकी बाइबल में नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि NIV, ESV, NLT और आपके किसी भी आधुनिक अनुवाद में यह आयत नहीं होगी, क्योंकि हर कोई समझता है कि यह इरास्मस से है। तो यह कोई बड़ी बात नहीं है।

ये नए नियम में तीन बड़े सिद्धांत हैं। लोग आपको फंसाने की कोशिश करेंगे और उन्हें आपके सामने लाकर खड़ा कर देंगे। हम उनके बारे में जानते हैं, ईमानदारी से कहें तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। कोई भी सिद्धांत प्रभावित नहीं होता। हमारे सभी सिद्धांत ठोस हैं। लेकिन ये नए नियम में तीन प्रमुख पाठ्य भिन्नताएँ हैं।

जी. अनुवाद: बाइबल की भाषाएँ [23:48-28:46]

सी. संयुक्त GH; 23:48 34:18; अनुवाद

अब यह चार्ट एक अद्भुत चार्ट है और मैं इसे देखना चाहता हूँ, मुझे लगता है कि यह बहुत कुछ सारांशित करता है। मोटे तौर पर यह कहता है कि आपके पास एक "एमटी" [मैसोरेटिक टेक्स्ट] है जो हिब्रू में है। LXX जो 200 ईसा पूर्व में ग्रीक ओल्ड टेस्टामेंट में है। इसलिए उन दोनों से वे डेड सी स्क्रॉल के साथ मिलकर उन सभी पांडुलिपियों के मिश्रण का हिस्सा बनते हैं। यह आपका ओल्ड टेस्टामेंट बन जाता है। न्यू टेस्टामेंट में आप पपीरी को देर से, 19 वीं शताब्दी में, 19 वीं शताब्दी के मध्य में अनसियल और मिनिस्क्यूल्स में पाते हैं - ऐसे हजारों हैं। इन्हें लैटिन वलोट के साथ न्यू टेस्टामेंट बनाने के लिए एक साथ रखा गया है। यह नया टेस्टामेंट और ओल्ड टेस्टामेंट है जिसका अनुवाद जेरोम ने किया था जो बेथलेहम में रहता था। लेकिन जेरोम के बारे में 400 ई. में, समस्या यह थी कि रोमन साम्राज्य ग्रीक से लैटिन में बदल रहा था। वह हिब्रू सीखना चाहता था इसलिए वह वहाँ गया

और उसने सीखा। उसने लैटिन में अनुवाद किया। यह इतना अच्छा था कि चर्च ने इसे 1000 साल तक इस्तेमाल किया। इसलिए इस लैटिन वुलोट का इस्तेमाल 400 ई. से 1400 ई. तक किया गया। आज भी आप भिक्षुओं के साथ लैटिन वुलोट देख सकते हैं। यह अविश्वसनीय था।

अब जो होता है वह यह है कि इंग्लैंड में लोग अब लैटिन भाषा नहीं बोलते। आप जानते हैं कि अगर हमारी अपनी भाषा में बाइबल होती तो यह बहुत अच्छा होता। मैंने शायद यह कहा था लेकिन मैं इसे फिर से कहने जा रहा हूँ, भगवान हमेशा एक ही भाषा बोलते हैं। भगवान कौन सी भाषा बोलते हैं? भगवान ने हिब्रू में खुद को प्रकट किया क्योंकि यह 1880 ईसा पूर्व के आसपास केवल एक कनानी बोली थी। जब अब्राहम कैनन में गया तो यह कनान की भूमि थी। जब वह वहाँ गया तो उसने उस भाषा को अपनाया लेकिन यह वास्तव में केवल एक बोली थी। भगवान ने उनसे हिब्रू में बात की। जब वे बेबीलोन गए, तो भगवान ने अरामी भाषा में बात की। तो, पुराने नियम का कुछ हिस्सा उस भाषा में है। जब सिकंदर जाता है और पूरी दुनिया को ले जाता है। तब भगवान ग्रीक में नए नियम को प्रकट करते हैं। तो नया नियम ग्रीक में है। भगवान लोगों की भाषा बोलते हैं। आज लोगों की भाषा क्या है? क्या आप मंदारिन कहेंगे? इंटरनेट पर अंग्रेजी। आज वर्णमाला छब्बीस अक्षरों से घटकर दो रह गई है यानी 1 और 0। यह डिजिटल भाषा है। आप एक वीडियो देख रहे हैं, यह सब 1 और 0 है जो एक सेकंड में तीस तस्वीरें पेश करता है। आप मेरी आवाज़ सुन रहे हैं और मेरे हाथ देख रहे हैं, यह सब डिजिटल भाषा है। यह वही है जो मेरा सबसे बड़ा जुनून है। वह हमेशा लोगों की भाषा बोलता है। हम संगीत और वीडियो सुनते हैं और यह भगवान की भाषा होनी चाहिए। यह लोगों की भाषा है। आज की भाषा डिजिटल है। हम यही कर रहे हैं।

एच. अनुवाद—अंग्रेजी बाइबल [28:46-34:18]

अंग्रेजों ने कहा कि हमें अपनी भाषा में बाइबल चाहिए। लेकिन चर्च ऐसा नहीं चाहता था। चर्च इसे लैटिन जैसी भाषा में चाहता था, जहाँ वे व्याख्या और अर्थ को नियंत्रित कर सकें क्योंकि वे लोगों को मूर्ख समझते थे। वे नहीं चाहते थे कि ये लोग शास्त्रों को अपने पास रखें और विधर्म का निर्माण करें। इस तरह वे इसे नियंत्रित कर सकते थे। 1380 के आसपास जॉन विक्लिफ़ के साथ क्या हुआ। आप में से कुछ लोगों ने इन अनुवादकों के बारे में सुना होगा। जब मैं आपको उन लोगों

के बारे में बताता हूँ, जिनका मैं सम्मान करता हूँ, तो दुनिया में विक्लिफ़ बाइबल अनुवादक एक जनजाति में जाते हैं। मेरा एक दोस्त है जोएल हालो जो एक जनजाति में जाता है और उनके पास लिखित भाषा भी नहीं होती है और आप उनसे बात करते हैं और इसे समझते हैं और भाषा और इसकी ध्वनियों और इसके अर्थों को समझते हैं, जिस तरह से यह भाषाई रूप से बनी है। फिर आप उनकी अपनी भाषा लिखते हैं और फिर आप उन्हें इसे सिखाते हैं ताकि वे बाइबल पढ़ सकें। ये अनुवादक पूरे अफ्रीका और इंडोनेशिया में हैं, बाइबल का भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं। ब्राज़ील में मेरा एक और दोस्त है, वहाँ के आदिवासी समूहों में, ब्राज़ील के अमेज़न में। वह शानदार काम कर रही है।

1380 में जॉन विक्लिफ़ ने बाइबल का अनुवाद किया। उसके बाद, विलियम टिडेल ने लगभग 1536 में अनुवाद किया। अब आप देख सकते हैं कि हम 1530 के दशक में हैं और अब हम इंग्लैंड के कुछ राजाओं को पहचानना शुरू करते हैं। टिडेल से लगभग 80 साल पहले 1450 में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार हुआ था। टिडेल ने लगभग 80 साल बाद अनुवाद करना शुरू किया। और इसलिए टिडेल ने यह अनुवाद करना शुरू किया, वह एक अद्भुत विद्वान थे लेकिन मूल रूप से इंग्लैंड अभी उनके लिए तैयार नहीं था और इसलिए वह यूरोप गए और अपना अनुवाद किया, उन्होंने इस पर काम किया और फिर उन्होंने इसे वहाँ प्रिंटिंग प्रेस पर छापा और नावों में वापस इंग्लैंड भेज दिया। उन्होंने अपने अनुवाद को वापस इंग्लैंड में तस्करी कर लाया। जब लोगों को यह मिला, तो उन्हें यह बहुत पसंद आया लेकिन चर्च ने कहा कि यह आदमी हमारे इर्द-गिर्द घूम रहा है। इसलिए मूल रूप से चर्च ने उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। वे यूरोप गए और उसे पकड़ लिया और उसे सूली पर जला दिया। तो विलियम टिडेल-- क्या किसी ने डेट्रोइट में विलियम टिडेल बाइबल कॉलेज के बारे में सुना है? उन्होंने इसका नाम उनके नाम पर रखा। टिडेल हाउस भी है, जिसके लिए मैंने इंग्लैंड में टिडेल में कुछ काम किया है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में टिडेल हाउस नाम की एक पूरी जगह है। विलियम टिडेल को इसके लिए सूली पर जला दिया गया था। अब यह 1536 है। मैं कहता हूँ कि यहां जो हो रहा है, वह दिलचस्प है, किंग जेम्स वर्शन 80 साल से भी कम समय बाद 1611 में आएगा। विलियम टिडेल, उनके मुंह से निकले आखिरी शब्द थे: "प्रभु, इंग्लैंड के राजा की आंखें खोलो," और 80 साल के भीतर इंग्लैंड के राजा ने ईश्वर के वचन के अंग्रेजी अनुवाद को

वित्तपोषित किया, जिसे किंग जेम्स वर्शन कहा जाता है। राजा ने पचास अनुवादकों को काम पर रखा और उन्हें एक समूह के रूप में काम करने के लिए कहा और यह वैसे भी बेहतर है। टिंडेल महान थे, लेकिन जब आपके पास एक अनुवादक होता है तो यह जांच और संतुलन के लिए एक समस्या होती है। तो इस तरह से बाइबिल अंग्रेजी में आई। क्या आप जानते हैं कि उन्होंने जॉन विक्लिफ के साथ क्या किया? वे उससे इतने नाराज थे कि उन्होंने उसकी हड्डियों को खोदकर जला दिया। चर्च ने यही किया। चर्च, कभी-कभी, नहीं चाहता कि लोगों के पास परमेश्वर का वचन हो क्योंकि वे संदेश को नियंत्रित करना चाहते हैं। परमेश्वर के वचन की यही अद्भुत बात है कि यह सामने आता है। इसलिए ये दो शुरुआती लोग विलियम टिंडेल और जॉन विक्लिफ हैं और फिर बेशक किंग जेम्स वर्शन तक आते हैं।

I. अनुवाद: 1611 का किंग जेम्स संस्करण [34:18-39:35]

डी: आईएल को मिलाएं; 34:18-52:27 केजेवी-डीएसवी

यह बाइबल अनुवादों की सूची है, मैं इसे जल्दी से पढ़ना चाहता हूँ। आपके पास जॉन विक्लिफ 1380 है और उसकी हड्डियाँ जला दी गई थीं। आप शायद 1380 से अंग्रेजी नहीं पढ़ सकते हैं, यह पुरानी अंग्रेजी है। हमें 1380 की अंग्रेजी पढ़ने में बहुत कठिनाई होगी। गुटेनबर्ग प्रिंटिंग प्रेस 1450 के आसपास आती है जो एक अद्भुत उपकरण था। मार्टिन लूथर ने प्रिंटिंग प्रेस का इस्तेमाल किया। अगर कोई प्रिंटिंग प्रेस नहीं होती तो मार्टिन लूथर के बारे में कोई नहीं जानता, वह जर्मनी में एक भिक्षु होता। उसने जो लिखा उसे छापने के लिए उसे एक प्रिंटिंग प्रेस मिल गई और अचानक लूथर और सुधार प्रिंटिंग प्रेस की वजह से शुरू हो गए। अब विडंबना यह है: अब हमारे पास क्या है? हमारे पास उस समय की प्रिंटिंग प्रेस से कहीं ज़्यादा शक्तिशाली चीज़ है। अब हमारे पास इंटरनेट है। जहाँ एक व्यक्ति कुछ कर सकता है और यह वचन के ज़रिए हज़ारों लोगों तक पहुँच सकता है। लाखों लोग विभिन्न वीडियो और चीज़ें देख सकते हैं, इंटरनेट में ईसाई धर्म के लिए बहुत संभावनाएँ हैं, जो पुराने दिनों में हम देखते थे। विलियम टिंडेल 1536 में एक ईसाई शहीद के रूप में सूली पर जलाकर शहीद कर दिए गए थे। टिंडेल के बाद आपके पास ग्रेट बाइबल है, जिसे इंग्लैंड में पुलपिट से जंजीरों से बांधा गया था। यह बहुत बड़ी थी और इंग्लैंड के चर्चों में पुलपिट से जंजीरों

से बंधी हुई थी। फिर जेनेवा बाइबल थी। जब आपने इस समय अवधि में जेनेवा कहा, लगभग 1550 के दशक में, जॉन कैल्विन जेनेवा में थे। उनके पास अंग्रेजी में एक जेनेवा बाइबल है, जो बहुत अच्छी तरह से बनाई गई है। अगर कोई कैल्विन के बारे में कुछ जानता है, तो वह एक अच्छा ग्रीक विद्वान था। वे इस बाइबल को जेनेवा में बनाते हैं और यह इतनी अच्छी थी कि राजा ने कहा कि हमें अपनी खुद की बाइबल बनानी होगी। इसलिए किंग जेम्स 1611 में सामने आया। वैसे आपको पता होना चाहिए कि आप में से कई लोग जो किंग जेम्स के लोग हैं, आपको यह महसूस करना चाहिए कि किंग जेम्स संस्करण वास्तव में एक अपडेटेड संस्करण है। 1880 में हम पुराने किंग जेम्स को 1611 संस्करण नहीं कहते हैं, 1880 में किंग जेम्स संस्करण को अपडेट किया गया था और आप में से अधिकांश के पास यही है और आप इसी के साथ बड़े हुए हैं। अब पिछले 20 सालों में NKJV आया है। इस नए संस्करण में उन्होंने इसे और अधिक अपडेट किया है, लेकिन मूल रूप से फिर से उस बहुसंख्यक पाठ स्रोतों का उपयोग किया है, लेकिन भाषा को अपडेट किया है, जो NKJV के लिए एक अच्छी बात है।

हम किंग जेम्स संस्करण से क्यों दूर जाना चाहते हैं ? मुझे लगता है कि इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि हमारे पास 1611 की तुलना में बेहतर पांडुलिपियाँ हैं। हम दुनिया भर से इन पांडुलिपियों के बारे में जानते हैं, 5000 पांडुलिपियाँ और कुछ तीस साल पहले की हैं जब जॉन रहते थे। हमारे पास पपीरी है। किंग जेम्स को उन पांडुलिपियों के बारे में कुछ भी नहीं पता था। उनके पास हमारी कोई भी बेहतर पांडुलिपि नहीं थी। इसलिए आज हमारे पास बेहतर पांडुलिपियाँ हैं। वह भाषा बदल गई है। आप में से कितने लोग अगर ऐसा कुछ पढ़ते हैं: "मैं तुम्हें भगवान की कृपा से करता हूँ।" आखिरी बार आपने कब किसी को धोखा दिया था? "मैं तुम्हें भगवान की कृपा से करता हूँ" इसका क्या मतलब है? हम अब ऐसा नहीं करते। यह सिर्फ इतना कह रहा है: "मैं चाहता हूँ कि तुम भगवान की कृपा के बारे में जानो।" वैसे, यह कहना बहुत आसान है, "मैं चाहता हूँ कि तुम जानो।"

जे. अनुवाद सिद्धांत [39:35-44:22]

अब अनुवाद के सिद्धांत, आपकी कुछ बाइबलें शब्दशः, शाब्दिक या संशोधित शाब्दिक होने की कोशिश करेंगी। जब भी आप भाषाओं के बीच जाते हैं तो भाषाएँ कभी भी पूरी तरह से मेल नहीं खाती हैं। फिर गतिशील समतुल्य है, जो अर्थ के लिए अर्थ का अनुवाद करता है। यह NASV [न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड वर्जन] की तरह शब्दशः मेल नहीं खाता है। यह बहुत शाब्दिक होगा और संदेश जैसा कुछ अधिक स्वतंत्र होगा। न्यू लिविंग ट्रांसलेशन [NLT] शब्दशः नहीं, बल्कि अर्थ के लिए अधिक अर्थपूर्ण है, शाब्दिक और इस मुक्त जंगली चीज़ के बीच एक अंतराल है। आपको सावधान रहना होगा और बीच के लोगों की तलाश करनी होगी। सच्चाई यह है कि लोग पैसे के कारण बाइबल प्रकाशित करते हैं। वे पैसा कमाना चाहते हैं। मुझे खेद है कि यह वास्तव में निंदनीय है लेकिन ऐसा लगता है कि यही कारण है। क्योंकि हमें ESV की आवश्यकता नहीं है, इसलिए इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। आप NIV और NRSV प्राप्त कर सकते हैं। यह मेरी ओर से संदेहपूर्ण है, मुझे पीछे हटने की आवश्यकता है।

यहाँ कुछ हाल ही के हैं 1970 में NASV। मैं कभी नहीं भूलूंगा जब यह आया था मैं पेंसिल्वेनिया में प्रशिक्षण ले रहा था। मैंने भजन 19 पढ़ा। यह सुंदर है। "आकाश ईश्वर की महिमा का वर्णन करता है, आकाशमण्डल उसका उपयोगी वचन दिखाता है, वे दिन प्रति दिन बोलते हैं।" किंग जेम्स है। जब आप इसे किंग जेम्स में पढ़ते हैं तो यह सुंदर है। बिल्कुल सुंदर। NASB ने शब्द दर शब्द करने की कोशिश की और यह लकड़ी जैसा है। मैंने भजन 19 पढ़ा और मैंने किताब बंद कर दी। यह बहुत कठोर था। यह अच्छा साहित्य नहीं था। यह प्रवाहित नहीं था। यह सुंदर नहीं था। अनुवाद में सुंदरता मायने रखती है। यदि आप शब्द दर शब्द अध्ययन कर रहे हैं और आपको हिब्रू नहीं आती है तो NASV का उपयोग करने का अच्छा कारण है। यह पुस्तक बहुत उपयोगी है।

एनआईवी 1973 में आया था, वास्तव में आज उन्होंने टीएनआईवी के साथ कुछ किया है, उन्होंने मूल रूप से इसे लिंग समावेशी भाषा के साथ अपडेट किया है, जिसमें पुल्लिंग को कुछ पायदान नीचे लाया गया है और स्त्रीलिंग को ऊपर लाया गया है। नीतिवचन में जब यह कहा जाता है कि "मेरे बेटों" सुनो, तो वे कहेंगे "मेरे बच्चे" सुनो। यह लिंग तटस्थ है। लेकिन टीएनआईवी बहुत अच्छी तरह से नहीं चला, इसलिए उन्होंने 2011 में एक नया बनाया और आप में से कई लोगों के पास 2011 से अपडेट किया गया एनआईवी होगा और उन्होंने एनआईवी में बहुत सारे छोटे बदलाव

किए हैं जो मुझे लगता है कि कुल मिलाकर मददगार थे। यह बहुत अच्छी तरह से किया गया है। आप में से कई लोग डॉ. मार्व विल्सन को जानते हैं जो गॉर्डन कॉलेज में पढ़ाते हैं, उन्होंने एनआईवी पर काम किया। मैंने डॉ. एलन मैकरे के अधीन काम किया, उन्होंने इज़ाह अंशों पर काम किया, मुझे विश्वास है कि एनआईवी अनुवाद में। ईश्वर के इन पुरुषों के लिए बहुत सम्मान है जिन्होंने एनआईवी को बड़े पैमाने पर प्रकाशित किया, लेकिन डॉ. विल्सन और डॉ. मैकरे दो ऐसे लोग हैं जिन्हें मैं जानता हूँ। बहुत से लोग इंजील चर्चों में इसका उपयोग करते हैं। यह सुंदर और उत्कृष्ट है।

के. अधिक अंग्रेजी अनुवाद [44:22-48:26]

एनआरएसवी 1952 के आरएसवी पर आधारित है। आरएसवी में सभी तरह की बातें हैं, वे पुराने आधुनिक समय में वापस आ गए थे और चमत्कारों और भविष्यवाणियों और कुंवारी जन्म से छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे थे। वे उन्हें पाठ में कम करने की कोशिश करेंगे। वे उन्हें कम करने की कोशिश करेंगे। नया आरएसवी किया गया था। प्रिंसटन के ब्रूस मेट्ज़गर उस पर थे। यह बहुत बेहतर था। यह एक बढ़िया अनुवाद है। स्टीव हंट और डेव मैथ्यूसन जैसे कई विद्वान एनआरएसवी का उपयोग करते हैं। इंग्लैंड के बहुत से लोग एनआरएसवी का उपयोग करेंगे। यह अधिक अंग्रेजी प्रकार की चीज है। इसलिए यह बहुत बढ़िया है कि उन्होंने बहुत सारे बदलाव किए जो अच्छे थे।

एनएलटी [न्यू लिविंग ट्रांसलेशन], ध्यान दें कि यह एक पैराफ्रेज नहीं है। मूल लिविंग बाइबल केन टेलर द्वारा लिखी गई थी। बिली ग्राहम को लिविंग बाइबल बहुत पसंद थी और उन्होंने अपने धर्मयुद्धों में लिविंग बाइबल बांटी। यह एक पैराफ्रेज था जब वह शिकागो में ट्रेन में सफर कर रहे थे, वह एक दिन में कई अध्याय पढ़ते थे। उन्होंने 1901 के एएसवी का इस्तेमाल किया और फिर उसका अपना अनुवाद किया। वह एक बहुत अच्छे लेखक थे। उन्होंने इसे लिखा; मैं जानता हूँ कि मेरी बहन लिविंग बाइबल की वजह से प्रभु के पास आई। यह लगभग 6-7^{वीं} कक्षा के स्तर के लिए लिखा गया था, इसलिए इसे समझना बहुत आसान था। यही इसकी सबसे बड़ी खूबी थी कि यह शाब्दिक नहीं था, यह एक पैराफ्रेज था और ग्रीक और हिब्रू से अनुवाद नहीं था।

1996 में वे बाहर गए और विद्वानों को काम पर रखा। मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ कि आपको NLT से सावधान रहना चाहिए। मैं अनुवादकों को जानता हूँ और मैं उन पर भरोसा नहीं करता। [मैं नीतिवचन के अनुवादकों में से एक था।] लेकिन NLT, हमने मूल रूप से ग्रीक से काम किया और अनुवाद किया और इसे एक गतिशील समतुल्य बनाने की कोशिश की, इसे अर्थ के लिए अर्थ बनाने की कोशिश की, और लोगों के लिए इसे समझना आसान बनाने की कोशिश की। यह 1996 में किया गया था और इसे 2000 के दशक में अपडेट किया गया था। हमने नीतिवचन और कविता पर एक अपडेट किया।

ESV 2002 में आया था। ऐसा लगता है कि यह कई मामलों में RSV की नकल है। संदेश यूजीन पीटरसन द्वारा लिखा गया है जो वैकूवर, कनाडा में रीजेंट में पढ़ाते हैं। वह एक ईश्वरीय, ईश्वरीय व्यक्ति हैं। उन्होंने यह अनुवाद किया। यह शानदार है और फिर यह सपाट हो जाएगा और फिर ऊपर उठ जाएगा और फिर सपाट और सपाट हो जाएगा। मुझे लगता है कि यह एक अनुवादक द्वारा पूरा काम करने की समस्या है। आप कभी-कभी बस मुस्कुराते हैं और कहते हैं, "काश मैं भी ऐसा अनुवाद कर पाता" और दूसरे काफी सपाट होते हैं। संदेश, अगर आप कुछ रचनात्मक चाहते हैं तो यह आपको एक अलग दृष्टिकोण देता है, इसे देखें। यह वास्तव में दिलचस्प है, वह ईश्वरीय व्यक्ति हैं।

एल. डीएसवी [डिजिटल अमेरिकन स्टैंडर्ड संस्करण] और निष्कर्ष [48:26-52:27]

मैंने 2011 में DASV का प्रयोग करके स्वयं प्रयास किया, पिछले वर्ष शरद ऋतु में मैंने DASV पूर्ण कर लिया। DASV में मैं जो कर रहा हूँ वह पृष्ठ से पाठ लेना और उसे स्क्रीन पर डालना है और जब आप किसी पुस्तक के पाठ को स्क्रीन पर डालते हैं, तो स्क्रीन एक भिन्न माध्यम होती है और इसलिए भिन्न तरीके से संचार करती है। इसलिए, उदाहरण के लिए, मेरी कक्षा में मेरी एक अच्छी मित्र थी, उसका नाम मैगी था और मुझे उसकी परीक्षा को बड़ा करना था ताकि वह उन्हें पढ़ सके। यह लगभग 50 पृष्ठ की परीक्षा थी क्योंकि आपको प्रति पृष्ठ केवल दो प्रश्न ही फॉन्ट आकार 28 पर मिल सकते थे। क्या यह अच्छा नहीं होगा यदि उसके पास एक बाइबल होती जिससे वह पाठ को बड़ा कर सकती और अब आप यह अपने फोन पर कर सकते हैं। मैंने इसे बनाया--

मेरी एक कक्षा में एक लड़की थी, केटी, और वह अंधी थी। क्या यह अच्छा नहीं होगा यदि वह DASV का पाठ सुन सके मैं ऑडियो और टेक्स्ट को मिला सकता हूँ ताकि वह MP3 के साथ बाइबल सुन सके। तो वह पूरा ऑडियो ऑनलाइन मुफ्त में उपलब्ध है। यही अंतर भी है। यह मुफ्त है और यह वहाँ उपलब्ध है और दुनिया में किसी के लिए भी उपलब्ध है। मैं भी प्रयोग कर रहा हूँ। मेरे पास एक और लड़की थी जो गाने गाती थी और उसने गाने बनाए थे इसलिए मैंने उसे याद रखने वाली आयतें लेने और उन्हें गाने के लिए कहा। तो आप डिजिटल लेते हैं और आप इसे संगीत में बदल सकते हैं। फिर मैंने कुछ तस्वीरें भी लीं और पाया कि मैं तस्वीरों और टेक्स्ट को एक साथ रखने का प्रयोग करना चाहता था इसलिए हम न्यू हैम्पशायर के आसपास घूमने गए और मैंने कहा कि मैं अपने छात्रों को नीतिवचन के पाठ में ले जाना चाहता हूँ, वह अपने बेटे को ले जा रहा है और उसे रास्तों के बीच चयन करने के लिए कह रहा है। मेरे पास शब्दों की तस्वीरें हैं और फिर यह नीतिवचन अध्याय 1 है। मेरे पास मूल रूप से ये चित्र आए थे और मैं छवियों और पाठ को मिलाने की कोशिश कर रहा था। पाठ के अर्थ का क्या संबंध है जब यह छवि के संदर्भ में है। इसलिए मैं प्रयोग कर रहा हूँ। आप इसे हमारी वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकते हैं। तो, संक्षेप में इस कक्षा में आप जो भी अनुवाद चाहें, उसका उपयोग कर सकते हैं। आप में से अधिकांश लोग एनआईवी का उपयोग करते हैं, कुछ लोग एनआरएसवी का उपयोग करते हैं, तथा कुछ लोग डीएसवी और अन्य का भी उपयोग करते होंगे।

मैं इसे यहीं समाप्त करना चाहता हूँ और जब हम वापस आएँगे - मैं मैथ्यू की पुस्तक में कूदना चाहता हूँ। हम मैथ्यू की पुस्तक के मूल विषयों और संरचना को देखना शुरू करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद। कुछ ही मिनटों में मिलते हैं।

रचेल मार्ज़ द्वारा लिखित

बेन बोडेन द्वारा संपादित

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित रफ